क्विक रीड

भारत की जीत पर रोने लगी थीं ऑस्ट्रेलियाई कोच जस्टिन लैंगर की पत्नी

एजेंसी,सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के कोच जस्टिन लैंगर ने खुलासा किया है और बताया है कि उनके काम के पहले छह महीने इतने तनावपूर्ण बीते थे। लैंगर ने बताया कि जब विराट कोहली की भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में पहली टेस्ट और वनडे सीरीज जीतने के करीब थी तो उनकी पत्नी स्यू रोने लगी थी। एक अगस्त से शुरू हो रही एशेज सीरीज से पूर्व लैंगर ने कहा कि गेंद से छेड़छाड़ प्रकरण से जूझ रही ऑस्ट्रेलियाई टीम की पिछले साल जिम्मेदारी संभालने का उन पर असर पड़ा विशेषकर यहां भारत के खिलाफ ड्रॉ हुए चौथे टेस्ट के दौरान। कोच जस्टिन लैंगर ने कहा कि मैं अपनी पत्नी को तब से जानता हूं जब मैं 14 बरस का था और वह मेरे बारे में सब कुछ जानती है। उस दिन वे जा रहे थे और सुबह आठ बजे हम नाश्ता कर रहे थे और मेरी पत्नी ने बेटियों के सामने ही टेबल पर रोना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि मैंने पूछा कि यह क्या हो रहा है, मैंने अपनी पत्नी को कभी रोते हुए नहीं देखा था। उसने कहा कि यहां जो हो रहा है वह मुझे पसंद नहीं है, आपके साथ जो हो रहा है वह मुझे पसंद नहीं, इसका हम पर जो असर हो रहा वह मुझे पसंद नहीं, लोगों का बर्ताव अच्छा नहीं था, लोग तुम्हारे और टीम और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में बारे में काफी कुछ कह रहे थे। यह मेरे लिए आंखे खोलने वाला लम्हा था, इससे मेरा परिवार प्रभावित हो रहा था। भारत ने टेस्ट और वनडे इंटरनेशनल सीरीज दोनों 2-1 के समान अंतर से जीती थी। लैंगर का साथ ही मानना है कि ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल के टेस्ट भविष्य पर एक पत्रकार के साथ तनावपूर्ण बहस एक अन्य घटना है, जिससे उन्हें लगा कि काम का दबाव काफी अधिक है।

धोनी के 'देश के लिए प्रेम' को किया सलाम

एजेंसी, नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शेल्डन कॉटरेल ने भारत के दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी के 'देश के लिए प्रेम' को सलाम किया है। कॉटरेल भी जमैका डिफेंस फोर्स में सैनिक हैं और उन्होंने ट्विटर पर धोनी द्वारा भारतीय सेना के साथ कुछ समय बिताने के फैसला को सराहा। कॉटरेल ने लिखा कि यह आदमी (धोनी) मैदान पर प्रेरणा का स्रोत है। इसके अलावा यह मैदान के बाहर देश के प्रति अपने कर्तव्य को भी अच्छी तरह समझता है। कॉटरेल ने अपने ट्वीट में एक वीडियो साझा किया, जिसमें 2011 में भारत के राष्ट्रपति धोनी को भारतीय सेना में मानद लेफ्टिनेंट कर्नल का ओहदा देते हुए दिखाई दे रहे हैं। कॉटरेल ने हाल ही में इंग्लैंड में समाप्त विश्व कप के दौरान विकेट लेने के बाद सैल्यूट के माध्यम से विकेट का जश्न मनाया था। इस कारण वह काफी चर्चा में रहे थे। उल्लेखनीय है कि धोनी ने भारतीय सेना की पैराशूट रेजिमेंट के साथ दो महीने की ट्रेनिंग शुरू कर दी है। इसी कारण धोनी ने वेस्टइंडीज दौरे से अपना नाम वापस ले लिया था। धोनी बीते बुधवार को पैराशूट रेजिमेंट की बटालियन में शामिल हुए, जिसका हेडक्वार्टर बेंगलुरू में है। 38 वर्षीय धोनी पैराशूट रेजिमेंट (106 पैरा टीए बटालियन) की प्रादेशिक सेना इकाई में लेफ्टिनेंट कर्नल की पोस्ट पर मौजूद हैं।

थाइलैंड ओपन में सिंधु की नजरें पहले खिताब पर

एजेंसी, बैंकॉक। लगातार दो टूर्नामेंटों में जापान की अकाने यामागुची से हार का सामना करने वाली शीर्ष भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु मंगलवार से यहां शुरू होने वाले थाइलैंड ओपन में जब उतरेंगी तो उनकी नजरें साल के पहले खिताब पर होंगी। सिंधु ने इंडोनेशिया ओपन के फाइनल में पहुंच कर लय में होने के संकेत दिए थे लेकिन जापान ओपन में उनका सफर क्वॉर्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाया। दोनों टूर्नामेंटों में उन्हें यामागुची से शिकस्त झेलनी पड़ी। भारतीय खिलाड़ी इस टूर्नामेंट से सात महीने के खिताबी सूखे को खत्म करना चाहेगी। चौथी वरीयता प्राप्त सिंधु महिला एकल में आपने अभियान का आगाज चीन की गैरवरीय हान यूई के खिलाफ करेगी। जापान ओपन के पहले दौर में वह इस खिलाड़ी के खिलाफ जीत दर्ज कर चुकी है। सिंधु अगर शुरुआती चुनौतियों को पार कर जाती हैं तो क्वॉर्टर फाइनल में उनका सामना छठी वरीयता प्राप्त स्थानीय खिलाड़ी रतचानोक इंतानोन से होगा। टूर्नामेंट में साइना नेहवाल को सातवीं वरीयता दी गई है लेकिन पिछले कुछ समय से चोट के कारण वह कोर्ट से दूर हैं। चिकित्सकीय कारणों से उन्होंने इंडोनेशिया और जापान ओपन से अपना नाम वापस ले लिया था। वह अगले महीने होने वाली विश्व चैंपियनशिप से पहले लय में आना चाहेंगी। यहां पहले दौर में उनका सामना क्वॉलिफायर खिलाड़ी से होगा।

जूनियर हॉकी टीम के कोच बनना चाहते हैं हरेंद्र

नई दिल्ली। हरेंद्र सिंह फिर से जूनियर पुरुष हॉकी टीम के कोच बनना चाहते हैं लेकिन वह नियम और शर्तों पर समझौता करने के लिए तैयार नहीं हैं। हरेंद्र के कोच रहते ही भारत ने 2016 में स्वदेश में जूनियर विश्व कप का खिताब जीता था। उन्होंने कहा कि वह अब भी यह पद संभाल सकते हैं लेकिन वह चाहते हैं कि वही शर्तें उन पर भी लागू हों जो विदेशी कोचों को पेशकश की जाती हैं। हरेंद्र ने कहा कि मैंने काफी पहले इस पद के लिए आवेदन किया था। मैंने अब भी यह पद संभालने का विकल्प खुला रखा है लेकिन मेरी शर्तें पहले जैसी ही हैं। मैं चाहता हूं कि मेरे लिए नियम और शर्तें विदेशी कोचों जैसी ही हों, चाहे वह वेतन हो या अन्य सुविधाएं। इस पर कोई समझौता नहीं होगा।

डि मिनोर ने अटलांटा एटीपी खिताब जीता

वाशिंगटन। आस्ट्रेलिया के एलेक्स डि मिनोर ने अटलांटा टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में टेलर फ्रिट्ज को सीधे सेटों में हराकर अपना दूसरा एटीपी खिताब जीता। तीसरे वर्षीय 20 साल के मिनोर ने अपनी सर्विस पर सिर्फ 10 अंक गंवाए और 6-3 7-6 से जीत दर्ज की। एटीपी टूर के 1991 में आंकड़े संग्रहित करने के बाद मिनोर सिर्फ तीसरे खिलाड़ी हैं जिन्होंने ब्रेक प्वाइंट का सामना किए बगैर एटीपी खिताब जीता। इससे पहले 2007 में जर्मनी के टामी हास मेम्फिस में जबकि अमेरिका के जान इस्नर 2017 में न्यूपोर्ट में यह कारनामा कर चुके हैं।

आधिकारिक रूप से वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप लॉन्च

एजेंसी/दुबई। हाल ही में आपने 50 ओवरों के क्रिकेट वर्ल्डकप का भरपूर लुत्फ लिया है। अगले साल यानि 2020 में टी20 वर्ल्डकप का रोमांच भी देखने लायक होगा। बात क्रिकेट के रोमांच की हो तो टेस्ट क्रिकेट पीछे छूटता दिखता है, लेकिन अब आईसीसी ने टेस्ट क्रिकेट में भी रोमांच भरने के लिए वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप की घोषणा कर दी है। यानि अब दुनियाभर के क्रिकेटर टेस्ट में बादशाहत के लिए भी आपस में भिड़ते दिखेंगे। हाल में हुए 50 ओवरों के क्रिकेट वर्ल्डकप में दुनियाभर की टीमों ने एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दी और अंत में मेजबान इंग्लैंड को विजेता घोषित किया गया। हालांकि, पूरा वर्ल्डकप ही रोमांचक था, लेकिन फाइनल का टाई होना और फिर सुपरओवर में भी किसी टीम के न जीत पाने से वह मैच रोमांच की पराकाष्ठा तक पहुंच गया था। भारतीय टीम ने भी इस वर्ल्डकप में शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से मात खाकर टीम खिताबी दौड़ से बाहर हो गई थी। अब सभी टीमों के पास खुद को टेस्ट में बेस्ट साबित करने का सुनहरा अवसर होगा। अगले दो साल में दौरान टेस्ट में बेस्ट का फैसला होगा, जब सभी टीमें आपस में एक-दूसरे के साथ टेस्ट मैच खेलेंगी। भारतीय कप्तान विराट कोहली का कहना है कि हम क्रिकेट के इस सबसे लंबे फॉर्मेट में आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप का बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। टेस्ट क्रिकेट हमेशा ही काफी चैलेंजिंग होती है और यह परंपरागत फॉर्मेट खिलाड़ियों को संतुष्टी भी प्रदान करता है। टीम इंडिया ने पिछले कुछ सालों के दौरान टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन किया है और हम इस चैम्पियनशिप में अपनी संभावनाओं को अच्छे से प्रदर्शित करेंगे। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच एक अगस्त से शुरू हो रही एशेज सीरीज के साथ टेस्ट चैम्पियनशिप की शुरुआत होगी। चैम्पियनशिप में चोटी की नौ टीमें

अब होगा टेस्ट में बेस्ट कौन का फैसला

हिस्सा लेंगी। इसमें ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और वेस्टइंडीज शामिल हैं।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन कहते हैं कि टेस्ट क्रिकेट इस खेल का सर्वोच्च स्तर है। यह क्रिकेट के हर फॉर्म का जनक है और इस खेल से जुड़ा हर खिलाड़ी अपने देश के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना और अच्छा प्रदर्शन करना चहता है। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप इस खेल के लिए एक और बेहतरीन कदम है। इससे हर टेस्ट सीरीज का महत्व और भी बढ़ जाएगा। हालांकि, हर टेस्ट मैच का अपना महत्व होता है, लेकिन अब उसका महत्व और भी बढ़ जाएगा। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान टिम पेन ने भी आईसीसी के इस फैसले पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही अच्छा कदम है। हमें टेस्ट क्रिकेट खेलना अच्छा लगता है। यह हमारे लिए खेल का सर्वोच्च स्तर है, ऑस्ट्रेलिया में आज भी टेस्ट क्रिकेट काफी पॉपुलर है। हम भाग्यशाली हैं कि ऑस्ट्रेलिया में हमें खिलाड़ियों, मीडिया और आम लोगों से भी टेस्ट क्रिकेट के लिए अच्छा रिस्पॉन्स मिलता है। इससे अब हर देश टेस्ट क्रिकेट को अपनी वरियता में ऊपर रखेगा।

चैंपियनशिप का प्रारुप

चैम्पियनशिप के दौरान अगले दो साल में कुल 27 सीरीज के तहत 71 टेस्ट मैच खेले जाएंगे। इस दौरान चोटी पर रहने वाली दो टीमें जून 2021 में ब्रिटेन में आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियन का फाइनल खेलेंगी। हर टीम तीन घरेलू सीरीज और तीन सीरीज विदेशी जमीन पर खेलेंगी। हर मैच के लिए टीमों को प्वाइंट मिलेंगे। हर सीरीज में 120 प्वाइंट होंगे और जितने भी मैच उस सीरीज में खेले जाएंगे, उनमें बराबार बांट दिए जाएंगे। उदाहरण के लिए दो मैचों की सीरीज में हर मैच के लिए 60 प्वाइंट होंगे, जबकि तीन मौचों की सीरीज में हर मैच के लिए 40 प्वाइंट रखे जाएंगे। टाई हुए टेस्ट मैच में 50 फीसद प्वाइंट दिए जाएंगे, जबकि ड्रॉ मैच में 3-1 प्वाइंट उपलब्ध होंगे। चैम्पियनशिप के दौरान कम से कम दो मैच और अधिकतम पांच मैचों की सीरीज दो टीमें खेल सकती हैं।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए कीवी टीम का ऐलान

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड ने श्रीलंका के खिलाफ अगले महीने से होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अपने पहले दौर के मुकाबले के लिए सोमवार को चुनी टीम में स्पिनरों पर भरोसा जताया है। कोच गैरी स्टीड ने श्रलंका में होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम में चार स्पिनरों को शामिल किया है। दोनों टीमें इस सीरीज के साथ 2021 तक चलने वाली नई विश्व चैंपियनशिप में पदार्पण करेंगी। स्टीड ने श्रीलंका की पिचों के स्पिनरों के अनुकूल होने की उम्मीद के साथ टीम में एजाज पटेल, विल समरविले, मिशेल सैंटनर और टॉड एस्टल को जगह दी है। स्पिनरों पर अधिक भरोसा जताने के कारण मैट हेनरी और लॉकी फर्गुसन जैसे तेज गेंदबाजों को टीम में जगह नहीं मिली है। स्टीड ने ट्रेंट बोल्ट, टिम साउदी, नील वैगनर और कोलिन डि ग्रैंडहोम को टीम में शामिल किया है। बहुप्रतीक्षित टेस्ट चैंपियनशिप में नौ देश घरेलू और विरोधी के मैदान पर

होने वाली सीरीज के आधार पर खेलेंगे और जून 2021 में लॉर्ड्स में होने वाले खिताबी मुकाबले में जगह बनाने की कोशिश करेंगे।

टीम इस प्रकार है: केन विलियमसन (कप्तान), टॉम लैथम, जीत रावल, रोस टेलर, हेनरी निकोल्स, बीजे वॉटलिंग, टॉम ब्लंडेल, कोलिन डि ग्रैंडहोम, मिशेल सैंटनर, टॉड एस्टल, टिम साउदी, विल समरविले, नील वैगनर, एजाज पटेल और ट्रेंट बोल्ट।

सेना में शामिल होने से पहले बॉलीवुड स्टार के साथ

फुटबॉल खेलते नजर आए धोनी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का फुटबॉल के प्रति प्यार किसी से छिपा नहीं हैं। यही वजह है कि जब भी धोनी को फुटबॉल खेलने का मौका मिलता है तो वह इस खेल का जमकर लुत्फ उठाते हैं। हाल ही में धोनी मुंबई के जुहू में अभिनेता अर्जुन कपूर के साथ फुटबॉल खेलते नजर आए। ये एक चैरिटी मैच था जिसका मकसद फंड जुटाना था। इस मैच से पहले धोनी ग्राउंड पर प्रैक्टिस करते दिखाई दिए जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। यही नहीं इस दौरान पूर्व भारतीय कप्तान ने बच्चों के साथ भी फुटबॉल खेला। बता दें कि 38 साल के महेंद्र सिंह धोनी ने आगामी वेस्टइंडीज दौरे से खुद को अनुपलब्ध बताते हुए दो महीने का ब्रेक लेने का फैसला किया है। इस दौरान धोनी 106 टेरिटोरियल आर्मी बटालियन (पैरा) के साथ कश्मीर में जुड़ेंगे। बतौर लेफ्टिनेंट

> भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का फुटबॉल के प्रति प्यार किसी से छिपा नहीं हैं। यही वजह है कि जब भी धोनी को फुटबॉल खेलने का मौका मिलता है तो वह इस खेल का जमकर लुत्फ उठाते हैं।

कर्नल धोनी 15 अगस्त तक सेना में पेट्रोलिंग, गार्ड और पोस्ट की ड्यूटी संभालेंगे। गौरतलब है कि साल 2011 में वर्ल्ड कप जीतने के बाद टीम इंडिया के तत्कालीन कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि दी गई थी। धोनी से पहले भारत को पहला विश्वकप जिताने वाले कपिल देव को भी भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल की उपाधि मिल चुकी है।

मो. आमिर के संन्यास के लिए पीसीबी जिम्मेदार: राशिद लतीफ

एजेंसी/लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ ने तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर के टेस्ट क्रिकेट से अचानक संन्यास लेने के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को जिम्मेदार ठहराया है। 27 साल के आमिर ने शक्रवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि वह सीमित ओवरों के स्रि5केट पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। आमिर ने पाकिस्तान के लिए 36 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 48 विकेट हासिल किए हैं। लतीफ ने पाकिस्तानी अखबार द नेशन को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि पीसीबी ने 2016 में

> लतीफ ने कहा कि आमिर टी-20 लीग खेलने के लिए स्वतंत्र हैं और उन्हें अपने परिवार की सुरक्षा का पूरा अधिकार है, लेकिन देश के लिए भी क्रिकेट खेलना, उनकी प्राथमिकता होनी चाहिए।

आमिर को राष्ट्रीय टीम में जल्दबाजी में शामिल करने की अनुमति दी थी और फिर ऐसा ही हुआ। आमिर ने 2017 में ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की कोशिश की थी, लेकिन कोच मिकी आर्थर और तत्कालीन बोर्ड अध्यक्ष उन्हें टेस्ट क्रिकेट जारी रखने

के लिए मनाने में कामयाब रहे थे। उन्होंने कहा कि अगर पीसीबी आमिर को वापस लाने की जल्दबाजी में नहीं होता, तो प्रतिबंध खत्म होने के बाद चीजें अलग हो सकती थीं। आमिर ने 2018 में फिर से वनडे और टी-20 पर ध्यान केंद्रित करने के लिए टेस्ट खेलना बंद करने की इच्छा जताई थी लेकिन किसी तरह वह खेल रहे थे। पाकिस्तान के लिए 37 टेस्ट और 166 वनडे मैच खेलने वाले पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने आगे कहा कि आमिर अभी केवल 27 साल के हैं और उन्होंने 119 विकेट लिए हैं। उन्हें 200 मैच खेलना चाहिए। किसी भी खिलाड़ी के लिए देश सबसे ज्यादा मायने रखता है। 50 वर्षीय लतीफ ने कहा कि आमिर टी-20 लीग खेलने के लिए स्वतंत्र हैं और उन्हें अपने परिवार की सुरक्षा का पूरा अधिकार है। लेकिन देश के लिए भी क्रिकेट खेलना, उनकी प्राथमिकता होनी चाहिए। अगर पीसीबी खिलाड़ियों को टेस्ट क्रिकेट छोड़ने और लीग पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति देता है तो पाकिस्तान क्रिकेट बुरी तरह से तबाह हो जाएगा। पूर्व कप्तान ने साथ ही कहा कि दूसरे खिलाड़ी भी देश की सेवा करने में गर्व महसूस करने के बजाय पैसा कमाने पर ध्यान देना पसंद करेंगे। इसलिए अब समय आ गया है कि पीसीबी को न केवल आमिर बल्कि अन्य खिलाड़ियों से भी बात करनी चाहिए, जो टेस्ट क्रिकेट छोड़ने के कगार पर हैं। समय पर कार्रवाई करना, समस्याओं का एकमात्र समाधान है, वरना चीजें पीसीबी के हाथों से निकल जाएंगी।÷

विराट कोहली को कप्तान बनाए रखने पर उठाये सवाल

नई दिल्ली। भारत के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने विश्व कप सेमीफाइनल में भारत की हार के बाद भी विराट कोहली को स्वाभाविक तौर पर कप्तान बनाए रखे जाने के फैसला पर सवाल खड़े किए हैं। गावस्कर मानते हैं कि कोहली को दोबारा कप्तानी सौंपे जाने से पहले आधिकारिक बैठक होनी चाहिए थी। एक समाचार पत्र में प्रकाशित अपने लेख में गावस्कर ने लिखा है कि अगर उन्होंने (चयनकर्ता) वेस्टइंडीज दौरे के लिए कप्तान का चयन बिना किसी मीटिंग के लिए कर लिया तो यह सवाल उठता है कि क्या कोहली अपनी बदौलत टीम के कप्तान हैं या फिर चयन समिति की खुशी के कारण हैं। गावस्कर ने लिखा कि हमारी जानकारी के मुताबिक उनकी (कोहली) नियुक्ति विश्व कप तक के लिए ही थी। इसके बाद चयनकर्ताओं को इस मसले पर मीटिंग बुलानी चाहिए थी। यह अलग बात है कि यह मीटिंग पांच मिनट ही चलती लेकिन ऐसा होना चाहिए था। एमएसके प्रसाद की अध्यक्षता वाली अखिल भारतीय चयन समिति ने वेस्टइंडीज दौरे के लिए कोहली को तीनो फॉरमेट का कप्तान नियुक्त किया है। इस सीरीज की शुरुआत फ्लोरिडा में होने वाले टी-20 मुकाबलों से होगी। इसके बाद सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित प्रशासकों की समिति (सीओए) ने साफ कर दिया कि वह विश्व कप में टीम के प्रदर्शन पर रिव्यू बैठक नहीं नहीं बुलाएगी लेकिन वह इस विश्व कप में टीम के प्रदर्शन को लेकर टीम मैनेजर की रिपोर्ट पर विचार करेगी। गावस्कर ने पूरे मामले का माखौल उड़ाते हुए लिखा कि आखिरकार कोहली क्यों अपने मनमाफिक टीम चुनने का हक पाते रहे हैं। गावस्कर ने लिखा कि चयन समिति में बैठे लोग कठपुतली हैं। पुनर्नियुक्ति के बाद कोहली को मीटिंग में टीम को लेकर अपने विचार रखने के लिए बुलाया गया। प्रक्रिया को बाईपास करने से यह संदेश गया कि केदार जाधव, दिनेश कार्तिक को खराब प्रदर्शन के कारण टीम से बाहर किया गया जबकि विश्व कप के दौरान और उससे पहले कप्तान ने इन्हीं खिलाड़ियों पर भरोसा जताया था और नतीजा हुआ था कि टीम फाइनल में भी नहीं पहुंच सकी। बीसीसीआई के एक तबके का यह मानना था कि 2023 विश्व कप के ध्यान में रखते हुए तीनों फॉरमेट के लिए अलग-अलग कप्तान बनाया जाना एक अच्छा कदम हो सकता था और इससे आने वाले समय में टीम को फायदा होता।

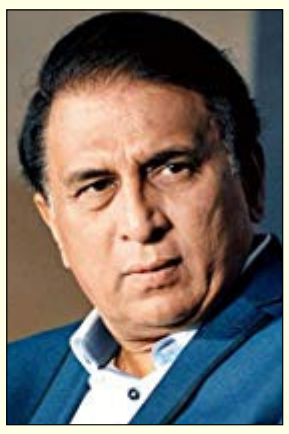

एलिस पैरी ने रचा इतिहास

टी-20 अंतर्राष्ट्रीय में एक हजार रन बनाने और सौ विकेट लेने वाली पहली खिलाड़ी बनीं

एजेंसी/सिडनी। ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेटर एलिस पैरी ने टी-20 क्रिकेट में एक नया इतिहास रच दिया है। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ हुए टी20 मैच में 47 रनों की जबरदस्त पारी खेली। जिसकी बदौलत कंगारू टीम ने सात विकेट से शानदार जीत हासिल की। वहीं एलिस पैरी अब टी-20 के अंतरराष्ट्रीय मैचों में 100 विकेट और 1000 रन बनाने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। वो ये कारनामा करने वाली दुनिया की इकलौती क्रिकेटर हैं। अभी तक पुरुष या महिला क्रिकेटरों में से कोई भी इस आंकड़े को नहीं छू पाया था। 28 वर्षीय पैरी ने नवंबर में वर्ल्ड टी-20 फाइनल में इंग्लैंड की नेट सीवर को आउट करते ही अपने 100 विकेट पूरे कर लिए थे। वहीं, अब रविवार को हुए मैच में उन्होंने चौका लगाने के साथ अंतरराष्ट्रीय टी-20 मुकाबलों में एक हजार रन भी पूरे कर लिए। उन्होंने अभी तक 104 अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैच खेले हैं, जिसमें 1005 रन बनाए हैं। इसके साथ उनके नाम 103 विकेट हैं। वनडे में पैरी का शानदार रिकॉर्ड है। हालांकि, टी-20 में उन्होंने 60 पारियों में सिर्फ तीन ही शतक लगाए हैं। अगर पुरुष क्रिकेट की बात की जाए तो इस रिकॉर्ड के करीब पहुंचने की कगार पर पाकिस्तान के हरफनमौला खिलाड़ी शाहिद अफरीदी थे। उनके नाम अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैचों में 1416 रन और 98 विकेट थे लेकिन संन्यास लेने की वजह से वह इस जादुई आंकड़े को नहीं छू पाए। अब इस आंकड़े की ओर बांग्लादेश के ऑलराउंडर खिलाड़ी शाकिब अल हसन बढ़ रहे हैं। उन्होंने अब तक अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैचों में 88 विकेट लिए हैं और 1471 रन बनाए हैं। अगर पुरुष क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी की बात की जाए तो भारत के रोहित शर्मा का नाम आता है। उन्होंने 94 मैचों में 2331 रन बनाए हैं। इसके बाद न्यूजीलैंड के मार्टिन गप्टिल 2272 और भारतीय कप्तान विराट कोहली 2263 का नाम आता है।

बल्लेबाजी कोच बनने के लिए प्रवीण आमरे ने किया आवेदन

नई दिल्ली। प्रवीण आमरे ने टीम इंडिया के बैटिंग कोच के लिए आवेदन किया है। 50 वर्षीय आमरे को साउथ अफ्रीका के खिलाफ डरबन में उनके डेब्यू के लिए याद किया जाता है। आमरे ने भारत के लिए 11 टेस्ट मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने एक शतक और तीन हाफ सेंचुरी की मदद से 425 रन बनाए हैं। इसके अलावा उन्होंने 37 वनडे इंटरनैशनल मैचों में 513 रन बनाए। वनडे में उनके नाम दो हाफ सेंचुरी है। आमरे रमाकांत आचरेकर स्कूल ऑफ क्रिकेट से आते हैं। उन्होंने कोच के रूप में मुंबई को रणजी चैंपियन बनाया था। आमरे फिलहाल यूएसए क्रिकेट के बैटिंग सलाहकार हैं। बीसीसीआई ने टीम के कोचिंग स्टाफ के लिए आवेदन मंगवाए हैं। इसमें मुख्य कोच के अलावा बैटिंग और बोलिंग कोच का पद शामिल है। इसमें आवेदन करने की आखिरी तारीख 30 जुलाई है। मौजूदा बैटिंग कोच संजय बांगड़ का कार्यकाल वेस्ट इंडीज दौरे की समाप्ति तक बढ़ा दिया गया है। ऐसा लग रहा है कि बांगड़ के कार्यकाल को इस दौरे के बाद नहीं बढ़ाया जाएगा।

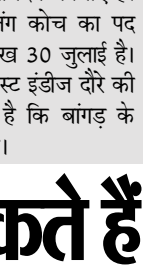

आईपीएल के 3 खिलाड़ी जो भारत के लिए टी-20 वर्ल्ड कप में खेल सकते हैं

नई दिल्ली। 2020 टी-20 विश्व कप का आयोजन इस बार ऑस्ट्रेलिया में होगा। यह टी-20 विश्व कप का सातवां संस्करण है। जो कि अगले साल 18 अक्टूबर से शुरू होगा और 15 नवंबर तक खेला जायेगा। सभी भाग लेने वाले देश इस टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। भारत को अगले साल होने इस विश्व कप को जीतने के लिए प्रबल दावेदार माना जा रहा है। हालांकि भारतीय टीम को इस विश्व कप के पहले अपनी कुछ समस्याओं को जरूर सुलझाना होगा। जैसे मध्यक्रम की समस्या और धोनी के विकल्प के रूप में भी किसी को तैयार करना होगा। टी-20 विश्व कप उन युवा भारतीय खिलाड़ियों के लिए भी एक बड़ा अवसर होगा जिन्होंने आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया है और राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने की कोशिश कर रहे हैं। आइये नजर डालते हैं ऐसे ही तीन खिलाड़ियों पर जो अगले साल होने वाले टी-20 विश्व कप में भारतीय टीम का हिस्सा बन सकते हैं।

मयंक मारकंडे: आईपीएल में अब तक कई युवा सितारों ने अपनी चमक बिखेरी है। 2018 में खेले गए आईपीएल सीजन में युवा स्पिन गेंदबाज मयंक मारकंडे ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था। वो आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेल रहे हैं। मयंक मारकंडे के आईपीएल में किए गए शानदार प्रदर्शन की वजह से ही उन्हें भारतीय टीम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 में डेब्यू का मौका मिला था। हालांकि अपने डेब्यू मैच में

वह कोई भी विकेट हासिल नहीं कर पाए थे। मयंक ने आईपीएल में बड़े - बड़े बल्लेबाजों को अपनी फिरकी में फसांया है, ऐसे में वह टी-20 विश्व कप में भारत के लिए एक अच्छे विकल्प हो सकते हैं।

संजू सैमसन: केवल 16 साल की उम्र में ही संजू सैमसन ने अपना रणजी डेब्यू कर लिया था। जिसके बाद उन्होंने अपने प्रदर्शन से लगातार प्रभावित किया है। संजू सैमसन तकनीकी रूप से काफी दक्ष खिलाड़ी हैं। इसका सबूत उन्होंने आईपीएल में बड़े-बड़े गेंदबाजों के सामने रन बनाकर दिया है। संजू सैमसन ने भारत के लिए अपना डेब्यू 2015 में ज़िम्बाब्वे के खिलाफ टी-20 मैच में किया था। जिसके बाद उन्हें दोबारा खेलने का मौका नहीं मिला। आईपीएल में संजू 93 मैचों में 2200 से भी ज्यादा रन बना चुके हैं और घरेलू क्रिकेट में भी अच्छा कर रहे हैं। संजू के लिए आईपीएल का पिछला सीजन बेहतरीन रहा था। 2020 में होने वाले टी-20 विश्व कप में वो भारतीय टीम का हिस्सा बन सकते हैं।

नितीश राणा : यह खिलाड़ी उस समय सुर्खियों में आए, जब उन्होंने आईपीएल के 2017 के संस्करण में मुंबई इंडियंस के लिए शानदार प्रदर्शन किया। राणा ने आईपीएल के साथ ही घरेलू क्रिकेट में भी खूब रन बनाये । उन्होंने रणजी ट्रॉफी के 2017-18 सीजन में 55 के अविश वसनीय औसत से 613 रन बनाए। आईपीएल में नितीश राणा अब कोलकाता की टीम की तरफ से खेल रहे हैं और उन्होंने इस साल भी कुछ शानदार पारियां खेली थी। राणा मध्यक्रम में एक आक्रामक बल्लेबाज के रूप में भारत के लिए टी-20 विश्व कप में अहम भूमिका निभा सकते हैं।